सुधार लाने के लिए नए सिरे से कदम उठाए जाने की जरूरत है; और

(ङ) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद मकबूल डार): (क) जी हां, श्रीमान्।

(ख) से (ङ) 27 जून, 1997 को दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा—144 के अधीन लागू किए गए प्रतिबंधों का उल्लघंन करके कुल जमात हुरियत कांफ्रेंस के नेताओं की अगुवाई में निकाला जा रहा जुलूस हिंसक हो उठा और इसमें शामिल लोगों ने सोनावार (श्रीनगर) में पुलिस दल पर पत्थर फैंकने शुरू कर दिए। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद जुलूस में शामिल लोग संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक ग्रुप मुख्यालय (अनमोग) की ओर बढ़ने लगे। निवारात्मक उपाय करने और आत्मरक्षा में पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और गिर जाने से एक पत्रकार को मामूली चोट लगी। राम मुंशी बाग पुलिस स्टेशन में कानून की संगत धाराओं के अधीन एक मामला प्र०सू०रि० संख्या 110/97 पर दर्ज किया गया।

राज्य सरकार ने सूचित किया कि समय-समय पर, पुलिस बल में व्यापक सुधार शुरू करने के उपाय किए जा रहे हैं। राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण हेतु वित्तीय सहायता के रूप में 1992-93 से 1996-97 के बीच की अवधि के लिए गृह मंत्रालय द्वारा जम्मू एवं कश्मीर सरकार को 485.93 लाख रुपए की राशि जारी की गई है।

Newsitem "Belated Official note Expresses VVIP Insecurity"

82. PROF. RAM KAPSE: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Government's attention has been drawn to the Special Report captioned "Belated Official Note Expresses VVIP insecurity" appeared in the Indian Express of 7th June, 1997;

(b) if so, whether Government have inquired into the matter;

(c) what are the findings;

(d) whether the incident has any relation to the Martin Massey cases; and

(e) the action taken by Government to avoid recurrence of similar incidents?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI MOHD. MAQBOOL DAR): (a) Yes, Sir. A news item had appeared captioned "Belated Official Note Exposes VVIP insecurity", in Mumbai Edition of The Indian Express on 7th June 1997.

(b) and (c) An enquiry was conducted and it came to light that 2 cars which belonged to Shri Satpal Maharaj, Minister of State for Railways and his Escort were seen approaching the Shantipath Panchsheel Marg crossing from where the carcade of the Prime Minister was to pass through on 29.3.1997. Since the cars did not stop at the Police barrier the SPG pilot car inter-posed in between. Thereafter the two cars came to a halt at a distance of 10 to 15 feet away and the remaining convoy passed by without any hindrance. The SPG Officers did not draw their weapons.

(d) No, Sir.

(e) The concerned staff has been briefed to effectively intervene in case of any violation by a speeding vehicle on the route of the Prime Minister in future.

Misuse of Article 356

83. SHRI NARENDRA MOHAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Inter-State Council's standing committee was not unanimous on the proposals mooted to prevent misuse of Article 356;

(b) if so, what are the areas of differences and whether an acceptable proposal is being hammered out; and

(c) the time frame therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI MOHD. MAQBOOL DAR): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The divergence of views was mainly on the following points:—

(i) Whether the Union Government can issue show cause notice in exceptional circumstances without the Governor's report.

(ii) Need for provision to invoke article 256 without notice if the State Government encourages action posing threat to.

(a) secular fabric of society.

(b) national security and integrity.

(iii) Whether approval of Parliament should precede or follow the Proclamation.

(iv) Whether approval should be with simple or two-thirds majority.

Efforts will continue to evolve a consensus on the issue.

Transfer of Cases of Killings from Ghaziabad to Meerut

84. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government had given any direction to the Government of Uttar Pradesh to transfer the cases relating to killings of 25 persons of Hashimpura, U.P. from Ghaziabad to Meerut;

(b) if so, the details thereof and the response of the Government of U.P. in regard thereto; and

(c) the Central Government's reaction in regard thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI MOHD. MAQBOOL DAR): (a) to (c) In June, 1997 a suggestion was received that the case relating to the killings at Hashimpura be transferred to Meerut. The Government of Uttar Pradesh was asked to consider the matter. The State Government however, feels that it will not be desirable to transfer the case in view of its sensitivity.

राज्यों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति

85. श्री इकबाल सिंह: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश के बिहार, उत्तर प्रदेश, असम जम्मू और कश्मीर जैसे राज्यों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति सामान्य न होने के क्या कारण हैं;

(ख) क्या यह सच है कि देश की ऐसी दुर्दशा के लिए जातिवाद, भ्रष्टाचार भाई-भतीजावाद तथा राजनीति का अपराधीकरण मुख्य रूप से जिम्मेदार है; और

(ग) यदि हां, तो इन सभी विकृतियों से निपटने के लिए सरकार ने क्या रणनीति तैयार की है ताकि देश में स्थिति सामान्य की जा सके?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद मकबूल डार): (क) और (ख) जम्मू एवं कश्मीर तथा पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर कानून एवं व्यवस्था की स्थिति कुल मिलाकर संतोषजनक है। जम्मू एवं कश्मीर, असम एवं पूर्वोत्तर में कानून एवं व्यवस्था की अशांत स्थिति का एक बड़ा कारण यह है कि ये राज्य, सीमा पार से प्रायोजित एवं समर्थित आतंकवादी, विध्वंसक गतिविधियों द्वारा प्रभावित है।

(ग) स्थिति पर कड़ी और लगातार नजर रखी जा रही है और आतंकवादी एवं विध्वंसक तत्वों के खिलाफ सतत अभियान चलाने सहित सभी जरूरी कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाते हैं कि प्रभावित राज्यों में सामान्य स्थिति बहाल की जा सके। राज्य और केन्द्र दोनों ही सरकारें इन राज्यों में शांति एवं स्थिरता लाने के लिए सतत आधार पर जरूरी उपाय कर रही है। संविधान के अधीन "लोक व्यवस्था" एवं "पुलिस" राज्य के विषय है। इस लिए कानून और व्यवस्था बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी सीधी राज्य सरकारों की है। राज्य में शांति बनाए रखने के लिए उपाय खोजने और उपयुक्त उपाय करने की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की है। केन्द्र सरकार भी राज्य सरकारों के संपर्क में रहती